हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 116 देहरादून, शनिवार, 22 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है, जिसके लिए संस्कार, शिक्षा और लक्ष्य की ज़रूरत : भगत सिंह कोशियारी 3

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री बाबा केदारनाथ में रुद्राभिषेक किया

विकास योजनाओं की रखी आधारशिला

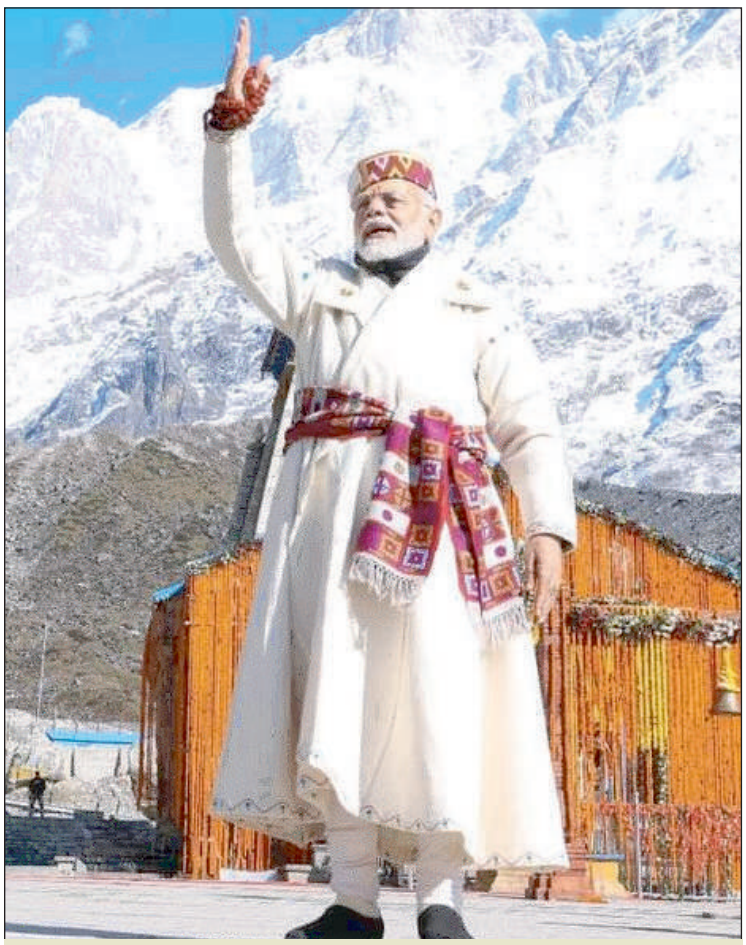

- नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद 6वीं बार पहुंचे बाबा केदार के धाम
- प्रधानमंत्री ने श्री केदारनाथ में श्रद्धालुओं को दी बड़ी सौगात
- गौरीकुंड से श्री केदारनाथ के लिए रोपवे की रखी आधारशिला
- रोपवे के बनने से बाबा केदार के दर्शन सुगमता से कर पायेंगे श्रद्धालु
- आदिगुरू शंकराचार्य की समाधि स्थली पर पहुंचकर प्रधानमंत्री ने किए दर्शन
- प्रधानमंत्री ने श्री केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों में लगे श्रमजीवियों के साथ मुलाकात कर उनका हौंसला बढ़ाया
- मंदाकिनी आस्था पथ एवं सरस्वती आस्था पथ पर जाकर किया विकास कार्यों का निरीक्षण
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री को विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी
- राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ रहे मौजूद।

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री केदारनाथ धाम में रुद्राभिषेक कर सबकी सुख एवं समृद्धि की कामना की। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद 6वीं बार बाबा केदार के धाम पहुंचे। उन्होंने आदिगुरु शंकराचार्य की समाधि स्थल पर पहुंचकर दर्शन किए। इस अवसर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद थे।प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गौरीकुंड से केदारनाथ के लिए रोपवे का शिलान्यास किया। 1267 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 9.7 किमी. के इस रोपवे के बनने से श्रद्धालुओं को बाबा केदार के दर्शन के लिए सुगमता होगी। गौरीकुंड से श्री केदारनाथ पहुंचने में अभी श्रद्धालुओं को 6 से 7 घंटे लगते हैं, इस रोपवे के बन जाने से यह यात्रा सिर्फ आधा घंटे में पूरी हो जाएगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद मंदाकिनी आस्था पथ एवं सरस्वती आस्था पथ पर जाकर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने श्री केदारनाथ में चल रहे विभिन्न पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री को विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने श्री केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों में लगे श्रमजीवियों के साथ बैठकर उनसे मुलाकात की और उनका हौंसला बढ़ाया।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल, विधायक शैला रानी रावत, मुख्य सचिव डॉ. एस. एस संधू, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग मयूर दीक्षित, एसपी आयुष अग्रवाल, तीर्थ पुरोहित विनोद शुक्ला, लक्ष्मी नारायण, कुबेर नाथ एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

संबंधित पेज 2 पर

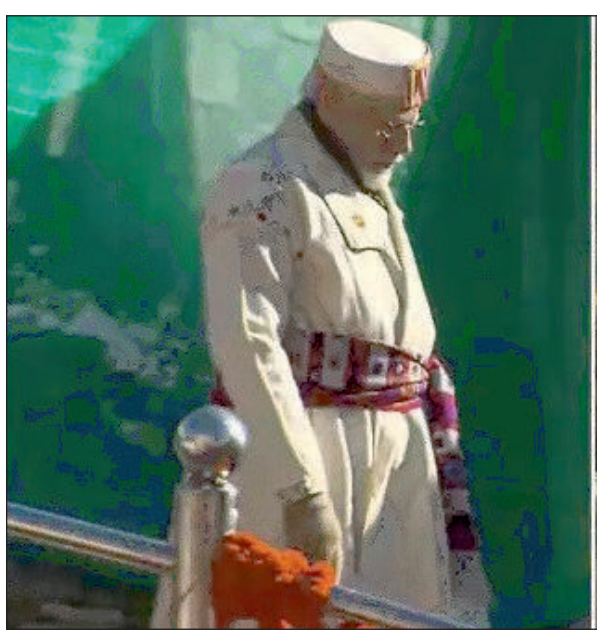

चंबा की महिलाओं द्वारा बनाए गए 'चोला डोरा' पहनकर, पीएम मोदी ने किए बाबा के दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पीएम मोदी ने महिलाओं से कहा कि वह पहली बार किसी ठंडे क्षेत्र की यात्रा पर जाने पर पोशाक पहनेंगे, और उन्होंने शुक्रवार को अपनी बात रखी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के चंबा की महिलाओं के लिए उनके द्वारा तैयार की गई पोशाक पहनकर अपना वादा निभाया, क्योंकि उन्होंने उत्तराखंड के केदारनाथ में प्रार्थना के साथ तीन राज्यों का दौरा शुरू किया।'चोला डोरा' संगठन, जिसमें अत्यंत उत्कृष्ट हस्तकला है, प्रधान मंत्री को उनकी हाल की हिमाचल यात्रा के दौरान दिया गया था। बद्रीनाथ धाम की यात्रा करने से पहले, प्रधानमंत्री ने मंदिर में ₹पूजा₹ की। मोदी राज्य की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान विभिन्न मौजूदा विकास परियोजनाओं की जांच करने और कुछ नई परियोजनाओं की नींव रखने के लिए तैयार हैं। इनमें 9.7 किलोमीटर लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ रोपवे परियोजना के लिए आधार तैयार करना शामिल है।हिमाचल प्रदेश की इस खास ड्रेस को चोला डोरा कहा जाता है. इसे हथकरघे से बनाया जाता है. जब पीएम मोदी हिमाचल प्रदेश के चंबा दौरे पर थे तब यहां की महिला ने उन्हें यह ड्रेस तोहफे में दी थी. देश के हर प्रदेश की तरह ही हिमाचल का पहनावा भी अपने आप में बेहद खास है. इस पहनावे को चोला-डोरा या फिर 'चोलू' भी कहा जाता है. यह वेशभूषा देश ही नहीं विदेश में भी मशहूर है. यह ड्रेस पूरी तरह ऊन से बनी होती है. इसमें घुटनों तक आने वाला एक लंबा ऊनी कोट होता है. इसे कमर पर डोरे से बांधा जाता है. आमतौर पर चोला क्रीम या हल्के भूरे रंग का होता है और उसका डोरा गहरे खूबसूरत रंगों से मिलाकर बनाया जाता है. यही वजह है कि इसे चोला-डोरा कहा जाता है. उत्तराखंड के दौरे पर जो ड्रेस पीएम मोदी ने पहनी है उस पर काफी बारीक और खूबसूरत काम किया गया है. इस पर मोर पंख और सतिया भी बनाया गया है.

अपने 2 दिवसीय उत्तराखंड दौरे के दौरान विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे पीएम मोदी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड दौरे के दौरान पीएम मोदी ने रुद्रप्रयाग जिले के प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। राज्य के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान, पीएम मोदी विभिन्न चल रही विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करने और कुछ नई परियोजनाओं की आधारशिला रखने वाले हैं।देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट ने प्रधानमंत्री की अगवानी की। मंदिर में ₹दर्शन₹ करने और ₹पूजा₹ करने के बाद, प्रधानमंत्री 9.7 किलोमीटर लंबे गौरीकुंड-केदारनाथ रोपवे परियोजना की आधारशिला रखेंगे।बाद में उन्होंने केदारनाथ रोपवे परियोजना की आधारशिला रखी और उसके बाद आदि गुरु शंकराचार्य समाधि स्थल का दौरा किया। उन्होंने मंदाकिनी अस्थापथ और सरस्वती आस्थापथ के साथ विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।प्रधानमंत्री 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखने के लिए हिमालयी राज्य के दौरे पर हैं।

केदारनाथ में अपने ढाई घंटे के कार्यक्रम के दौरान मोदी ने आदि गुरु शंकराचार्य के समाधि स्थल का भी दौरा किया।बद्रीनाथ धाम में वे रिवरफ्रंट पर विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। दोपहर में, मोदी सड़क और रोपवे परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और माणा गांव में एक सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे अराइवल प्लाजा और झीलों के सौंदर्यीकरण परियोजना की प्रगति की समीक्षा करेंगे।प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए दो प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिरों के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। दोनों मंदिरों को क्विंटल फूलों से सजाया गया है।

धनतेरस 2022 : इस दिवाली सोने में निवेश करने से पहले जानने योग्य बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दीपावली भारत का सबसे बड़ा त्यौहार है और 5 दिवसीय उत्सव इस साल 22 अक्टूबर को धनतेरस या धनत्रयोदशी के साथ शुरू होगा। धनतेरस को सोना और अन्य कीमती धातुओं को खरीदने के लिए एक शुभ अवसर माना जाता है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह परिवार में समृद्धि और खुशी लाता है। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, लोग नए कपड़े, गैजेट्स, घर की सजावट के सामान और कीमती धातुएं जैसे सोना, चांदी, हीरा आदि खरीदते हैं।जैसा कि धनतेरस निकट है, आप में से कई लोग सोने के सिक्के और बार या आभूषण खरीदने की योजना बना रहे होंगे। कई भारतीयों के लिए सोने को हमेशा एक महत्वपूर्ण निवेश विकल्प माना गया है क्योंकि इसका मूल्य समय के साथ बढ़ता है और वित्तीय अनिश्चितताओं के समय में मददगार होता है।हालांकि, इससे पहले कि आप पीली धातु खरीदना शुरू करें, कुछ बातों को याद रखना महत्वपूर्ण है:हॉलमार्क वाली ज्वैलरी खरीदेंहॉलमार्क वाली कोई भी ज्वैलरी खरीदना बेहद जरूरी और सुरक्षित है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) हॉलमार्क सोने की शुद्धता सुनिश्चित करता है। सोने का वजन या शुद्धता कैरेट में मापी जाती है और विभिन्न रूपों में आती है- 24-कैरेट सोना आमतौर पर 99.9% शुद्ध होता है, और 22 कैरेट सोना 92% शुद्ध होता है। हॉलमार्क वाले गहनों का एक टुकड़ा धातु की शुद्धता सुनिश्चित करेगा।मेकिंग

चार्जेज में कमी की मांगमूल रूप से, परिवर्तन करना सोने के आभूषणों के एक टुकड़े को बनाने में लगाया जाने वाला श्रम शुल्क है, जो कि प्रकार और डिज़ाइन पर निर्भर करता है और यदि यह मशीन या हाथ से बनाया गया है। मशीन से बनी ज्वैलरी का मेकिंग चार्ज हाथ से बने जूलरी के मुकाबले सस्ता होगा। ज्वैलरी स्टोर पर ऑफ़र देखना न भूलें और मेकिंग चार्ज में कमी का अनुरोध करें।सोने की कीमत की जाँच करेंकोई भी ज्वैलरी खरीदने से पहले हमेशा सोने की कीमत चेक कर लें। हालांकि सोने की कीमत को पहले की तारीख में आंकना मुश्किल है, आप ज्वैलरी हाउस से पूछताछ कर सकते हैं कि कीमत क्या है और आप उनसे क्या ऑफर प्राप्त कर सकते हैं।वजन की जाँच करेंज्यादातर सोने के आभूषण वजन के हिसाब से बेचे जाते हैं, हालांकि हीरे, माणिक और पन्ना जैसे पत्थर इसे भारी बनाते हैं। इसलिए, यह जरूरी है कि आप सोने के वजन की जांच करें। सोने के सही वजन को पूरे आभूषण के वजन के साथ भ्रमित नहीं करना चाहिए।हमेशा चालान मांगेंसोना खरीदते समय एक चालान बेहद जरूरी है। निकट भविष्य में कोई विवाद उत्पन्न होने पर यह सहायक होता है। आपको इसे अपने रिकॉर्ड के लिए भी बनाए रखना चाहिए। जब आप सोना बेचते हैं तो इनवॉइस भी बाद में फायदेमंद होगा और आप अपने लाभ की जांच करना चाहेंगे।

देश को आगे बढ़ाने का मंत्र ही स्वदेशी है : ऋतु खंडूडी भूषण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 अक्टूबर , स्वदेशी जागरण मंच एवं स्मृति विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वदेशी मेला में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने शिरकत की। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया साथ ही मेले में लगे स्टालों का निरीक्षण भी किया। पहाड़ी उत्पादों को बढ़ावा देने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर साल की भांति स्वदेशी जागरण मंच द्वारा भाजपा कार्यालय मैदान 6 नंबर पुलिया रिंग रोड़, देहरादून में नौ दिवसीय स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया है। स्वदेशी मेले में स्वरोजगार, उत्तराखंड की संस्कृति स्थानीय एवं पहाड़ी उत्पादकों के समान के स्टॉल लगाए गए हैं। इस दौरान लोक कलाकारों के द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश में स्वदेशी के प्रति जागरूकता व देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि देश को आगे बढ़ाने का मंत्र ही स्वदेशी है। विधानसभा अध्यक्ष ने स्वदेशी जागरण मंच की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मेलों के आयोजन का उद्देश्य समाज में स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरुकता फैलाना है स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा संचालित मेक इन इण्डिया अभियान से भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बढ़ी है।लोग आज विदेशी माल की जगह स्वदेशी माल की खरीदी को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी द्वारा दिया गया महामंत्र ''वोकल फॉर लोकल'' के आह्वान पर स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन सिंह गांववासी, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक शर्मा, प्रांत संयोजक सुरेंद्र सिंह, प्रवीण पुरोहित, प्रतिभा पाठक, ललित जोशी, दरबान सिंह, देवेश शर्मा, प्रिंस यादव, प्रीति शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है, जिसके लिए संस्कार, शिक्षा और लक्ष्य की ज़रुरत : भगत सिंह कोशियारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पहुँचने पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं व छोलिया नृत्यदल द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन ने आगवानी की।इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि उत्तराखंड में लघु उद्योग शुरू करने को लेकर महाराष्ट्र के कई उद्यमियों से उनकी वार्ता चल रही है। वो जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री से वार्ता कर इन प्रयासों को धरातल पर उतारने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहां की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि उत्तराखंड पर खास लगाव है। उन्होंने कहा पहाड़ के युवा पलायन की रोकथाम को लेकर अपना स्टार्टअप शुरू कर प्रधानमंत्री की इस मुहिम को आगे बढ़ाने का काम करेंगे ।महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी नैनीताल राजभवन पहुंचे। जहां पर पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उसके उपरांत भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ देकर उनका भव्य स्वागत किया। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि यह उत्तराखंड की जनता का प्रेम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उन पर विश्वास है कि प्रदेश में संचालित की जा रही कई विकास परक योजनाओं को वह महाराष्ट्र में धरातल पर उतारने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने दोनों प्रदेशों के बीच सामंजस्य बनाते हुए दोनों प्रदेशों को जोड़ने की बात कही है । उनका कहना है कि बीते दिनों महाराष्ट्र के कुछ उद्यमियों ने उनसे संपर्क किया है, जो कि उत्तराखंड में बागवानी, कृषि एव अन्य क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। साथ ही करीब 200 उद्यमियों ने उनसे उत्तराखंड में लघु उद्योग शुरू करने की मंशा भी जाहिर की है। उनका कहना है कि वो जल्द ही इस संबंध में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से वार्ता कर उद्यमी योजना को धरातल पर उतरे जाने को लेकर बात करेंगे।भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड को विशेष महत्व देते हैं। केदारनाथ पुनर्निर्माण के साथ ही बद्रीनाथ धाम का सुंदरीकरण कार्य किया जा रहा है। उन्हें उम्मीद है कि जल्द कुमाऊ के जागेश्वर, बागनाथ समेत अन्य स्थल भी धार्मिक पर्यटन से जुड़ सकेंगे। साथ ही अगले पांच वर्षों में टनकपुर से बागेश्वर तक रेल मार्ग की सुविधा स्थापित कर ली जाएगी। इसके उपरांत राज्यपाल महाराष्ट्र भगत सिंह कोश्यारी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कुमांऊ विश्वविद्यालय नैनीताल मे एक दिवसीय उत्तराखण्ड राज्य मे राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 लागू होने के उपलक्ष्य मे आयोजित कार्यक्रम मे पहुचे । जहां पर राज्यपाल महाराष्ट्र भगत सिंह कोश्यारी,कुलपति प्रोफेसर एनके जोशी , क्षेत्रीय विधायक सरिता आर्य, भीमताल के विधायक राम सिंह कैड़ा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलपति ने पुष्पगुच्छ देकर राज्यपाल का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की विस्तार रूप से जानकारी दी।राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को स्टार्टअप से जोड़ने की पहल शुरू की है। उनका प्रयास है कि वह उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र से पलायन की रोकथाम को लेकर कार्य करें। जिसको लेकर उन्होंने युवाओं से स्टार्टअप शुरू करने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का मकसद देश को आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है, जिसके लिए संस्कार, शिक्षा, और लक्ष्य की जरूरत होती है। जिसके लिए नयी शिक्षा नीति लागू की गई है। उन्होंने ने कहा कि विश्वविद्यालय अच्छा काम कर रहा है और आगे भी अच्छा काम करेगा, जिससे कि विश्वा विद्यालय का नाम रोशन होगा। इस दौरान डीएम धीराज गर्ब्याल, एसएसपी पंकज भट्ट, कुलसचिव दिनेश चंद्र, समेत भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने किया डोईवाला में कार्यरत पर्यावरण मित्रों का सम्मान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डोईवाला 22 अक्टूबर , शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने नगर पालिका डोईवाला में कार्यरत पर्यावरण मित्रों का सम्मान किया। इस मौके पर डॉ अग्रवाल ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में नेशनल अवार्ड मिलने का श्रेय पर्यावरण मित्रों को दिया। पालिका परिसर में स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में नगर पालिका परिषद डोईवाला का फास्ट मूविंग सिटी श्रेणी में बढ़ते हुए नेशनल अवार्ड मिलने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण मित्र के बिना निकाय स्तर पर स्वच्छता की कल्पना नहीं की जा सकती। पर्यावरण मित्र ही किसी भी निकाय की रीड की हड्डी होते हैं। कोरोना काल में पर्यावरण मित्रों ने एक योद्धा की भूमिका निभाते हुए कोरोना से सीधा मुकाबला किया था। डॉ अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड को पहली बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की विभिन्न श्रेणी में 6 अवार्ड मिले हैं। उन्होंने इन अवार्ड का श्रेय पर्यावरण मित्रों को दिया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण मित्रों के साथ है। उनके प्रोत्साहन के लिए सरकार ने प्रतिदिन पर्यावरण मित्रों का मानदेय बढ़ाते हुए 500 रुपए किया है।डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ड्रीम प्रोजेक्ट स्वच्छ भारत मिशन में पर्यावरण मित्रों की अहम भूमिका है। डॉ अग्रवाल ने स्वच्छ भारत मिशन में और रावण मित्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का आवाहन किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि घर के भीतर हमें स्वयं साफ सफाई का ध्यान रखना होगा। जबकि बाहर बाजार, पार्क, गली, मोहल्ले आदि में पर्यावरण मित्र अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस मौके पर मंत्री डॉ अग्रवाल ने डोईवाला नगर पालिका परिषद में कार्यरत पर्यावरण मित्रों को टी-शर्ट, लोअर और मिष्ठान देकर सम्मानित किया।इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष डोईवाला सुमित्रा मनवाल, अधिशासी अधिकारी उत्तम सिंह नेगी, सफाई निरीक्षक सचिन रावत, अमित कुमार, सतीश चमोली, रविंद्र पवार सहित सभी सभासद गण तथा पर्यावरण मित्रों के परिजन उपस्थित रहे।

इस साल दीपावली की गूंज न्यूयॉर्क शहर तक, पब्लिक छुट्टी का किया ऐलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोवा और यूपी में स्थिति साफ़ होने के बाद भी उत्तराखंड में संशय बरकरार है जिसकी वजह से कई दावेदारों के दिल बेक़रार है। पहले जहाँ उम्मीद थी कि धामी रिटर्न्स की फिल्म ही लिखी जा रही है लेकिन जिस तरह से दिल्ली से लौटकर निर्वर्तमान सीएम देहरादून की बजाय खटीमा पहुंचे हैं उससे कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा में हो रहे विलंब की वजह कुछ और है। अब तो दावेदार भी अपनी संभावनाओं को लेकर प्रयासों में जुटे हैं। इस परिदृश्य के बीच जैसी परिस्थितियां हैं, वे इस तरफ इशारा कर रही हैं कि राज्य में भाजपा विधायक दल के नेता का नाम होली के बाद ही स्थिति सामने आ सकता है।.

पिछले कुछ वर्षों में, क्षेत्र में रहने वाले सैकड़ों हजारों भारतीयों को देखते हुए, हिंदू समुदाय द्वारा दिवाली को स्कूल की छुट्टी घोषित करने की मांग बढ़ रही थी। 2023 से न्यूयॉर्क शहर में दीपावली पर एक पब्लिक स्कूल की छुट्टी होगी, जिसमें मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि यह शहर की समग्रता के महत्व के बारे में एक संदेश भेजता है और ₹लंबे समय से अतिदेय₹ कदम बच्चों को रोशनी के त्योहार के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करेगा।एडम्स, न्यूयॉर्क विधानसभा सदस्य जेनिफर राजकुमार और न्यूयॉर्क सिटी स्कूल के चांसलर डेविड बैंक्स के साथ शामिल हुए, ने गुरुवार को कहा कि अभियान के दौरान अपनी बातचीत में, उन्होंने दिवाली और रोशनी के त्योहार के बारे में ₹बहुत कुछ सीखा₹। उन्होंने न्यूयॉर्क शहर के पब्लिक स्कूलों में दिवाली को छुट्टी घोषित करते हुए कहा, "हम उन अनगिनत लोगों को एक स्पष्ट और स्पष्ट संदेश देना चाहते थे जो इस उत्सव के समय को स्वीकार करते हैं।"साथ ही, यह एक शैक्षिक क्षण है क्योंकि जब हम दिवाली को स्वीकार करते हैं, तो हम बच्चों को दिवाली के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करने जा रहे हैं। हम उनसे इस बारे में बात करना शुरू करने जा रहे हैं कि रोशनी का त्योहार क्या है, और अपने भीतर रोशनी कैसे जलाएं, "उन्होंने कहा।न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल ने दीवाली को स्कूल की छुट्टी बनाने के लिए एडम्स को धन्यवाद दिया "यह भारतीय-अमेरिकी समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग थी। मान्यता न्यूयॉर्क शहर में विविधता और बहुलवाद को गहरा अर्थ देती है, जबकि सभी क्षेत्रों के लोगों को भारतीय लोकाचार और विरासत का अनुभव करने, जश्न मनाने और आनंद लेने की अनुमति देती है, "उन्होंने पीटीआई को बताया।न्यूयॉर्क में राज्य कार्यालय के लिए निर्वाचित होने वाली पहली दक्षिण एशियाई-अमेरिकी महिला राजकुमार ने कहा कि उन्हें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि ₹हमारा समय आ गया है। रोशनी का त्योहार दिवाली मनाने वाले हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन धर्मों के 2,00,000 से अधिक न्यू यॉर्कर को मान्यता देने का समय आ गया है। एडम्स ने कहा।₹जैसा कि हम अपने आस-पास के इतने अंधेरे से निपटते हैं, हम अपने आस-पास की भारी मात्रा में प्रकाश का एहसास करने में असफल होते हैं। और जब हम दीवाली को स्वीकार करने के लिए इस अवधि को लेते हैं, तो हम उस प्रकाश को स्वीकार कर रहे हैं जो

आइए जानते हैं क्यों मनाते हैं दीपावली, जानिए दीपावली मनाने के ये 10 बड़े कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दीपावली को भारत के कुछ सबसे बड़े त्योहारों में गिना जाता है। कार्तिक मास की अमावस्या को पड़ने वाले इस पर्व को पूरी दुनिया में लोग मनाते हैं। जानिए इससे जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें।हर साल कार्तिक मास की अमावस्या को पड़ने वाली दीपावली मनाने के कई कारण हैं। इस दिन न केवल दीया जलाने और खुशियां बांटने की प्रथा है, बल्कि दीपावली मनाने के पीछे कई ऐसे कारण हैं जिनसे बहुत से लोग अनजान हैं। इस लेख को पढ़ें और जानें कि क्यों न केवल हिंदू बल्कि अन्य धर्मों के लोगों को भी दीपावली मनानी चाहिए।

दीपावली के दिन हुआ था मां लक्ष्मी का जन्म

माता लक्ष्मी धन की देवी हैं, हिंदू धर्म और शास्त्रों के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक मास की अमावस्या के दिन समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था। इसलिए दीपावली के दिन देवी लक्ष्मी का जन्मदिन मनाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है।

भगवान विष्णु ने की थी माता लक्ष्मी की रक्षा

वामन अवतार भगवान विष्णु का पांचवां अवतार है। यह हिंदू पौराणिक कथाओं में एक बहुत प्रसिद्ध कहानी है जिसमें भगवान विष्णु के वामन अवतार ने माता लक्ष्मी को राजा बलि के कब्जे से बचाया था। इसलिए इस दिन दीपावली को देवी लक्ष्मी की पूजा कर श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

कृष्ण ने नरकासुर का वध किया

जब राक्षस राजा नरकासुर ने तीनों लोकों पर हमला किया था और वहां रहने वाले देवताओं पर अत्याचार कर रहा था, तो श्री कृष्ण ने नरकासुर का वध किया। उनका वध करके श्रीकृष्ण ने 16,000 स्त्रियों को उनके बंधन से मुक्त किया। इस जीत की खुशी 2 दिनों तक मनाई गई जिसमें दीपावली का दिन प्रमुख है। दीपावली त्योहार के दूसरे दिन को नरक चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है।

पांडव लौट आए थे

हिंदू धर्म के महाकाव्य महाभारत के अनुसार, पांडव 12 साल के वनवास के बाद कार्तिक अमावस्या के दिन लौटे थे। उनके आगमन की खुशी में लोगों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया।

भगवान राम की जीत हुई थी

रामायण के अनुसार, हिंदू धर्म के दूसरे महाकाव्य, भगवान राम, माता सीता और उनके भाई लक्ष्मण के साथ, कार्तिक महीने की अमावस्या के दिन लंका को जीतकर अयोध्या लौटे थे। भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के आगमन से पूरी अयोध्या स्तब्ध रह गई और दीपों की रोशनी से तीनों का स्वागत किया गया। इस दिन को भगवान श्री राम की जीत के खुशी के रूप में भी मनाया जाता है।

उसी दिन विक्रमादित्य का जन्म राज तिलक के रूप में हुआ था।

बहुत शक्तिशाली राजा विक्रमादित्य का राज्याभिषेक दीपावली के दिन हुआ था। राजा विक्रमादित्य अपनी दरियादिली, साहस और पराक्रम के लिए जाने जाते हैं।

आर्य समाज के लिए बेहद खास है ये दिन : भारतीय इतिहास में आज ही के दिन 19वीं सदी के विद्वान महर्षि दयानंद को इसी दिन निर्वाण की प्राप्ति हुई थी। महर्षि दयानंद को हम आर्य समाज के संस्थापक के रूप में जानते हैं। उन्होंने मानवता और भाईचारे को बढ़ावा दिया

जैनियों के लिए खास दिन

जैन धर्म के संस्थापक महावीर तीर्थंकर ने दीपावली के दिन ही निर्वाण प्राप्त किया था। उन्होंने तपस्वी बनने के लिए अपने शाही जीवन और परिवार का बलिदान दिया था। उन्होंने उपवास और तपस्या से निर्वाण प्राप्त किया। कहा जाता है कि उन्होंने 43 वर्ष की आयु में ज्ञान प्राप्त किया और जैन धर्म का विस्तार किया।

सिखों के लिए दीपावली का है बड़ा महत्व

सिखों के तीसरे गुरु अमर दास ने दीपावली के दिन को एक विशेष दिन का दर्जा दिया था जब सभी सिख उनके पास आते थे और उनका आशीर्वाद लेते थे। 1577 में दीपावली के दिन पंजाब के अमृतसर जिले में स्वर्ण मंदिर की आधारशिला रखी गई थी। दीपावली का दिन सिखों के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनके छठे गुरु हरगोबिंद को मुगल शासक जहांगीर के साथ ग्वालियर किले से मुक्त कराया गया था। 1619 में 52 राजा।

पोप जॉन पॉल का दीपावली भाषण

1999 में, दीपावली के शुभ अवसर पर, पोप जॉन पॉल ने भारत में एक चर्च में यूचरिस्ट की व्यवस्था की। जिस दिन उन्होंने दीपों के पर्व दीपावली पर अपने माथे पर तिलक लगाकर भाषण दिया था।

आबादी वाले इलाकों में पटाखों की दुकानें नहीं : उत्तराखंड हाईकोर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में पटाखे फोड़ने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की. मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ ने नगर मजिस्ट्रेट को आबादी वाले इलाकों से पटाखों की दुकानों को हटाने और इलाके से 11 पटाखा गोदामों को भी स्थानांतरित करने का निर्देश दिया.

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील दीप चंद्र जोशी ने कोर्ट को बताया कि नगर मजिस्ट्रेट ने यहां पटाखों की दुकान लगाने की अधिसूचना जारी कर दी है.

25 अक्टूबर को लगने जा रहा है साल का दूसरा सूर्य ग्रहण, जानिए कब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

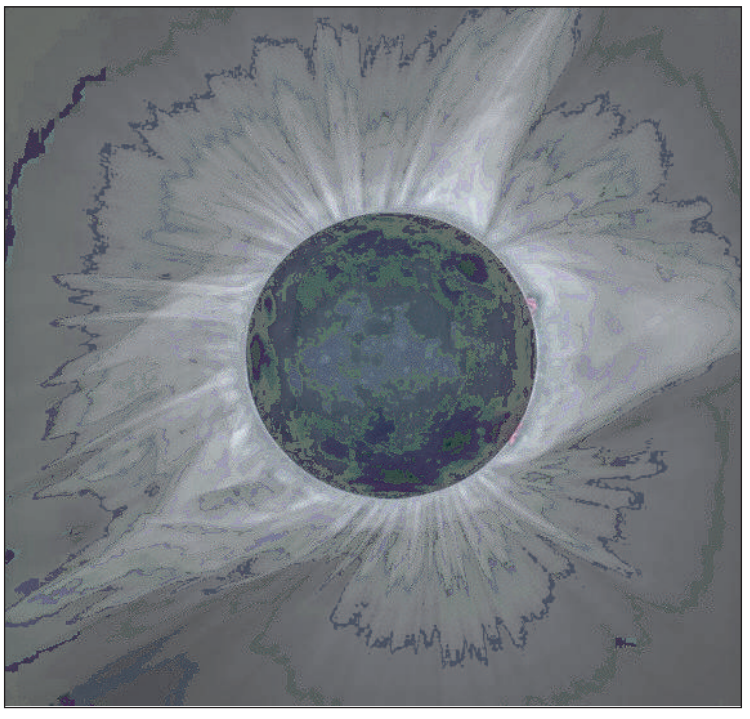

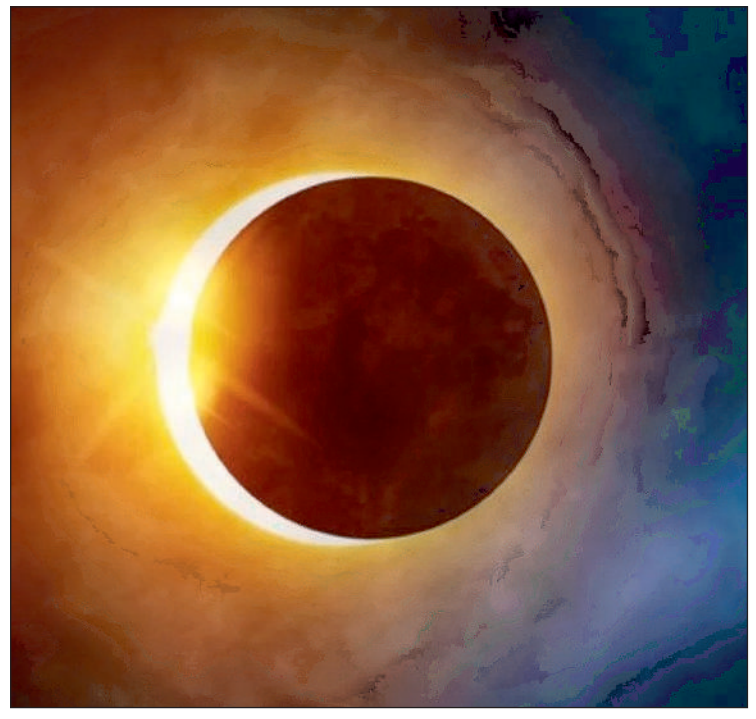

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार, ₹दिवाली के अगले दिन 25 अक्टूबर 2022 को साल का दूसरा सूर्य ग्रहण लगने वाला है. जानकारों के मुताबिक यह आंशिक सूर्य ग्रहण होगा. भारत में सूर्यास्त के पहले अपराह्न में ग्रहण आरम्भ होगा और इसे अधिकांश स्थानों से देखा जा सकेगा.₹दिवाली के अगले दिन 25 अक्टूबर 2022 को साल का दूसरा सूर्य ग्रहण लगने वाला है. जानकारों के मुताबिक यह आंशिक सूर्य ग्रहण होगा. भारत में सूर्यास्त के पहले अपराह्न में ग्रहण आरम्भ होगा और इसे अधिकांश स्थानों से देखा जा सकेगा. हांलाकि, ग्रहण अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आइजॉल, डिब्रूगढ़, इम्फाल, इटानगर, कोहिमा, सिबसागर, सिलचर, तामलोंग से दिखाई नहीं देगा. यह जानकारी पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने दी है.भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार, ₹ग्रहण का अंत भारत में दिखाई नहीं देगा. क्योंकि वह सूर्यास्त के उपरांत भी जारी रहेगा. भारत में उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में अधिकतम ग्रहण के समय सूर्य पर चंद्रमा द्वारा आच्छादन लगभग 40 से 50 प्रतिशत के बीच होगा. देश के अन्य हिस्सों में आच्छादन का प्रतिशत उपरोक्त मान से कम होगा.₹पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार, ₹दिल्ली एवं मुम्बई में अधिकतम ग्रहण के समय चंद्रमा द्वारा सूर्य के आच्छादन का प्रतिशत क्रमशः 44 प्रतिशत एवं 24 प्रतिशत के लगभग होगा. ग्रहण की अवधि प्रारम्भ से लेकर सूर्यास्त के समय तक दिल्ली और मुम्बई में क्रमशः 1 घंटे 13 मिनट तथा 1 घंटे 19 मिनट की होगी. चेन्नई एवं कोलकाता में ग्रहण की अवधि प्रारम्भ से लेकर सूर्यास्त के समय तक क्रमशः 31 मिनट तथा 12 मिनट की होगी. ग्रहण यूरोप, मध्य पूर्व, अफ्रीका के उत्तर-पूर्वी हिस्सों, पश्चमी एशिया, उत्तर अटलांटिक महासागर तथा उत्तर हिंद महासागर के क्षेत्रों में दिखाई देगा.₹भारत में अगला सूर्य ग्रहण 2 अगस्त 2027 को दिखाई देगा, जो पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा. देश के सभी हिस्सों से वह आंशिक सूर्य ग्रहण के रूप में परिलक्षित होगा. अमावस्या को सूर्य ग्रहण तब घटित होता है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच आ जाता है तथा वे तीनों एक सीध में आ जाते हैं. आंशिक सूर्य ग्रहण तब घटित होता है जब चन्द्र चक्रिका सूर्य चक्रिका को आंशिक रूप से ही ढक पाती है.सूर्य ग्रहण को थोड़ी देर के लिए भी खाली आंखों से नहीं देखा जाना चाहिए. चंद्रमा सूर्य के अधिकतम हिस्सों को ढक दे तब भी इसे खाली आंखों से न देखें. क्योंकि यह आंखों को स्थाई नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे अंधापन हो सकता है. सूर्य ग्रहण को देखने की सबसे सही तकनीक है ऐलुमिनी माइलर, काले पॉलिमर, कांच का उपयोग करें.

क्या दिवाली के पटाखों पर इतनी आसानी से वायु प्रदूषण का आरोप लगाया जा सकता है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक नरम लक्ष्य पर दोष लगाना हमेशा अच्छा होता है, अपने आस-पास के सभी लोगों को जानकर बिना तर्कसंगत सोच के उस पर विश्वास करना शुरू हो जाएगा। हर साल इस समय के आसपास कुछ ऐसा होता है लेकिन जाहिर है हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं।हालाँकि, दिवाली अभी कुछ दिन आगे है, और दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण बहुत खराब - खतरनाक स्तर पर गिर गया है, लेकिन कोई भी वास्तव में अभी तक अलार्म नहीं बजा रहा है। वास्तविक अलार्म तभी बजेगा जब आतिशबाजी पर प्रतिबंध के बावजूद उत्सव समाप्त हो जाएगा और फिर भी इसे हवा को प्रदूषित करने, जानवरों को डराने और कई अन्य आरोपों के लिए दोषी ठहराया जाएगा।यह नकारात्मक नतीजों के साथ त्योहारों को बदनाम करने की प्रवृत्ति की तरह है, जिसके कारण समय के साथ लोग उन्हें मनाना बंद कर देते हैं या जो कभी सिर्फ एक मजेदार गतिविधि हुआ करते थे उसका पालन करना बंद कर देते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली द्वारा इस साल की शुरुआत में किए गए एक अध्ययन में पाया गया था कि दिवाली के बाद के दिनों में आतिशबाजी के बजाय बायोमास जलने से राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता खराब होती है।लेकिन क्या हम इसके बारे में कुछ कर रहे हैं? नहीं, पंजाब में आम आदमी पार्टी हो या हरियाणा में भाजपा, न तो सरकार निर्मम पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठा रही है, जो हवा के घुटन का असली कारण है।उत्सवों, प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाना और निर्णय पारित करना आसान है, यह सोचकर कि पटाखों का एक दिन वास्तव में पर्यावरण को खराब कर सकता है, लेकिन जब चुनाव या खेल आयोजनों या विवाहों के दौरान समान गतिविधियां की जाती हैं तो वे आंखें मूंद लेंगे।हम एक पाखंडी स्थिति में रहते हैं, यह निश्चित है, लेकिन यहां तक कि युवा पीढ़ी के लिए भी इस तरह के अवास्तविक पक्षपाती, व्यक्तिगत रूप से प्रेरित और आंख को पकड़ने वाले आरोपों पर निर्भर रहना दुखद है, क्योंकि आप उम्मीद करते हैं कि युवा केवल आँख बंद करके विश्वास करने के बजाय गलत सूचनाओं और प्रश्नों से निपटेंगे। उन्हें खिलाया जाता है।यह कहना मुश्किल हो सकता है कि लोग इस तरह के भोले-भाले फैसलों के पीछे के उद्देश्यों को कब समझेंगे, लेकिन वे निश्चित रूप से स्पष्ट कर सकते हैं यानी समान स्थितियों की तुलना अन्य देशों से कर सकते हैं और अनुमान लगा सकते हैं कि क्या हर साल एक दिन वास्तव में इतना बड़ा सौदा कर सकता है कि आप लोगों को प्रतिबंधित कर दें अपने ही 'लोकतांत्रिक देश' में अपना त्योहार मनाने से?

सावधान : दिल्ली में नेपाली साधु के रूप में रह रही चीनी महिला गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने एक चीनी महिला को गिरफ्तार किया है।बौद्ध भिक्षु होने का दावा करने वाले काई रूओ पर चीनी जासूस होने का संदेह है। एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया, काई रूओ एक ₹अच्छी तरह से प्रशिक्षित और चालाक व्यक्ति है, जिसने यह दावा करके जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश की कि चीनी कम्युनिस्ट नेता उसे मारना चाहते थे और इसलिए, वह भारत भाग गई₹।महिला भारत में ₹नेपाली नागरिक डोला लामा₹ के रूप में रह रही थी। इसके अलावा, उसने यह साबित करने के लिए एक 'नेपाली पहचान पत्र' प्राप्त किया कि वह काठमांडू की निवासी थी। वह दिल्ली पुलिसकर्मियों के साथ धाराप्रवाह अंग्रेजी में बातचीत करती थी लेकिन नेपाली भाषा नहीं जानती थी।

पुलिस के अनुसार, वह वास्तव में धाराप्रवाह चीनी बोलती है।पुलिस को बाद में पता चला कि उसके नाम पर एक चीनी पासपोर्ट था, और वह उस पासपोर्ट के आधार पर भारत में रह रही थी। उसने 2020 में पश्चिम बंगाल, भारत में रानीगंज सीमा क्षेत्र के माध्यम से नेपाल में प्रवेश किया। नेपाली आईडी हासिल करने के बाद वह फिर भारत में दाखिल हुई।विदेशियों के पंजीकरण कार्यालय के अपने रिकॉर्ड के अनुसार, वह चीन के हैनान प्रांत में रहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पूरे देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही थी। ₹उसने हमें बताया कि चूंकि वह बौद्ध थी और कम्युनिस्ट नेता उसे मारना चाहते थे। उसके पास चीन से भागने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। हालांकि, हमने पाया है कि वह जासूसी कर रही थी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल थी।सूत्र के अनुसार, अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली कि एक महिला चीनी जासूस राष्ट्रीय राजधानी में रह रही है।इनपुट का आकलन करने के बाद काई रूओ को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए पाया गया, आईएएनएस ने कहा।इसके बाद पुलिस की टीम इकट्ठी हुई और छापेमारी की गई। आखिरकार, काई रूओ को दिल्ली के मजनू का टीला से दोपहर करीब 1 बजे उसके ठिकाने से पकड़ लिया गया।

दिवाली 2022 कैलेंडर : कब है धनतेरस, दीपावली, भाई दूज और गोवर्धन पूजा?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिवाली 5 दिनों का त्योहार है। यह दिवाली नहीं है जिसे हिंदू 5 दिनों तक मनाते हैं बल्कि अन्य त्योहार जो दिवाली से पहले या बाद में आते हैं। धनतेरस या धन त्रयोदशी, नरक चतुर्दशी, या काली चौदस जैसे त्योहार, जिन्हें छोटी दिवाली के रूप में भी जाना जाता है, और गोवर्धन पूजा सभी एक के बाद एक एक साथ मनाए जाते हैं।पांच दिवसीय उत्सव धनतेरस से शुरू होगा, जो 22 अक्टूबर को मनाया जाएगा, और भाई दूज के उत्सव के साथ समाप्त होगा, जो इस साल 26 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हम यहां प्रत्येक त्योहार के लिए सही समय, तिथि और शुभ मुहूर्त के साथ हैं।दिवाली 5 दिनों का त्योहार है। यह दिवाली नहीं है जिसे हिंदू 5 दिनों तक मनाते हैं बल्कि अन्य त्योहार जो दिवाली से पहले या बाद में आते हैं। धनतेरस या धन त्रयोदशी, नरक चतुर्दशी, या काली चौदस जैसे त्योहार, जिन्हें छोटी दिवाली के रूप में भी जाना जाता है, और गोवर्धन पूजा सभी एक के बाद एक एक साथ

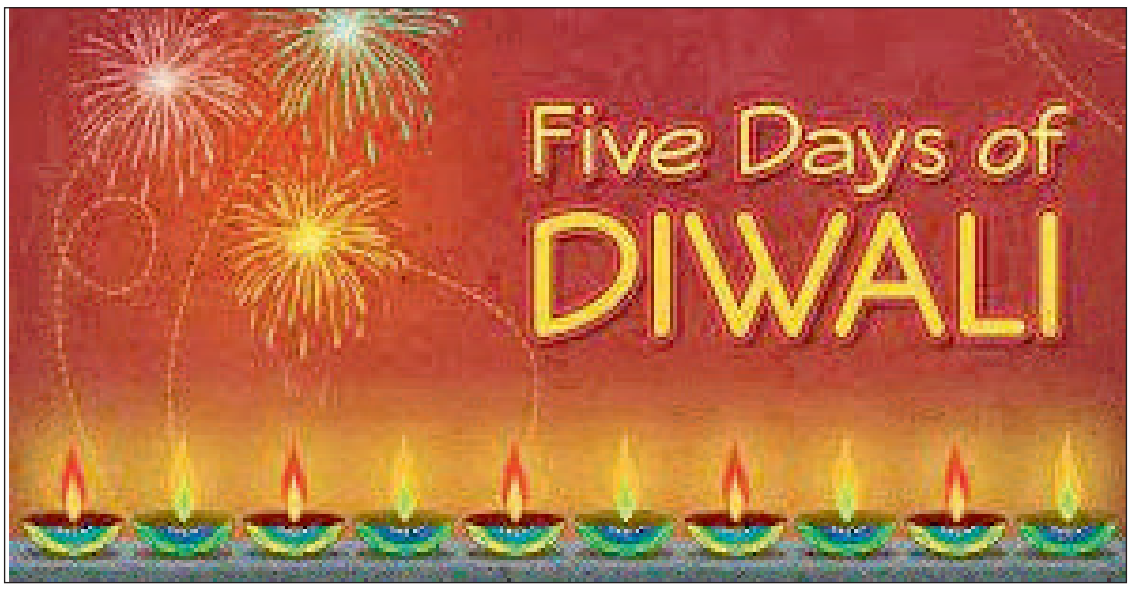

मनाए जाते हैं।पांच दिवसीय उत्सव धनतेरस से शुरू होगा, जो 22 अक्टूबर को मनाया जाएगा,

और भाई दूज के उत्सव के साथ समाप्त होगा, जो इस साल 26 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हम यहां प्रत्येक त्योहार के लिए सही समय, तिथि और शुभ मुहूर्त के साथ हैं।धनतेरसः तिथि और शुभ मुहूर्तधनतेरस दिवाली के पांच दिवसीय त्योहार की शुरुआत का प्रतीक है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार धनतेरस कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस बार धनतेरस 22 अक्टूबर 2022 को है।धनतेरस पूजा मुहूर्त - शाम 7:01 बजे से रात 8:17 बजे तकयम दीपम - 22 अक्टूबर 2022प्रदोष काल - शाम 5:45 बजे से रात 8:17 बजे तकवृषभ काल - शाम 7:01 से 8:56नरक चतुर्दशी 2022: तिथि और शुभ मुहूर्तछोटी दिवाली नरक चतुर्दशी के रूप में भी है और हिंदुओं के बीच एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। यह त्यौहार हर साल धनतेरस के बाद मनाया जाता है; यह रविवार, 23 अक्टूबर 2022 को पड़ेगा।लोग छोटी दिवाली या नरक चतुर्दशी को दीया जलाकर, रंगोली बनाकर और पटाखे जलाकर मनाते हैं।चतुर्दशी तिथि शुरू - 23 अक्टूबर 2022 को शाम 06:03चतुर्दशी तिथि समाप्त - 24 अक्टूबर 2022 को शाम 05:27 बजेकाली चौदस मुहूर्त - 23 अक्टूबर को रात 11:40 बजे से 24 अक्टूबर 2022 को दोपहर 12:31 बजे तकदिवाली 2022: तिथि और शुभ मुहूर्तहिंदू कैलेंडर के अनुसार चतुर्दशी तिथि 24 अक्टूबर को शाम 5:27 बजे समाप्त होगी और अमावस्या तिथि 25 अक्टूबर को शाम 4:19 बजे तक रहेगी. तो, दिवाली 24 अक्टूबर को शाम 5:28 बजे से मनाई जाएगी और यह 25 अक्टूबर 2022 को शाम 4:19 बजे समाप्त होगी। लक्ष्मी पूजा 24 अक्टूबर को शाम 6:54 बजे से 8:18 बजे तक की जा सकती है। गोवर्धन पूजा 2022: तिथि और शुभ मुहूर्तगोवर्धन पूजा आमतौर पर दिवाली के एक दिन बाद मनाई जाती है, लेकिन इस साल हम दिवाली के बाद 25 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण देखेंगे। इस प्रकार गोवर्धन पूजा 26 अक्टूबर 2022 को मनाई जाएगी।गोवर्धन पूजा के अवसर पर लोग गाय के गोबर और मिट्टी से छोटी-छोटी पहाड़ियां बनाते हैं और भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं। वे भगवान कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए छप्पन भोग (56 प्रकार के भोजन) तैयार करते हैं। भक्त भगवान कृष्ण की मूर्तियों को दूध से स्नान कराते हैं और उन्हें नए कपड़े और ताजे फूलों से सजाते हैं।गोवर्धन पूजा मुहूर्त - 26 अक्टूबर 2022 को सुबह 6:12 बजेप्रतिपदा तिथि प्रारंभ - 04:18 अपराह्न 25 अक्टूबर 2022प्रतिपदा तिथि समाप्त - 26 अक्टूबर 2022 को दोपहर 02:42भाई दूज: 2022: तिथि और शुभ मुहूर्तभाई दूज पांच दिवसीय त्योहार के अंतिम दिन देश भर में भाइयों और बहनों द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया जाने वाला एक शुभ त्योहार है। भाई दूज एक भाई और एक बहन के बीच बिना शर्त प्यार का प्रतीक है। इस साल भाई दूज 26 अक्टूबर 2022 को उसी दिन गोवर्धन पूजा के रूप में मनाई जाएगी।इस दिन बहनें अपने प्यारे भाइयों की लंबी उम्र और सलामती की दुआ करती हैं, वहीं भाई हमेशा उनकी रक्षा करने का वादा करते हैं। यह रक्षा बंधन के समान है।भाई दूज अपराहन का समय - दोपहर 01:12 बजे से दोपहर 03:27 बजे तकद्वितीया तिथि शुरू - 26 अक्टूबर 2022 को दोपहर 02:42द्वितीया तिथि समाप्त - 27 अक्टूबर 2022 को दोपहर 12:45 बजे

उन राज्यों की सूची जिन्होंने पटाखों पर प्रतिबंध लगाया है और उनका उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रोशनी का सबसे बड़ा त्योहार दिवाली नजदीक है। लेकिन पटाखों पर प्रतिबंध ने हम सभी को दुविधा में डाल दिया है कि इस त्योहार का आनंद कैसे लिया जाए। लेकिन इसकी भरपाई दीया जलाने, उपहारों के आदान-प्रदान और नए कपड़े पहनकर भी की जा सकती है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दिवाली पर पटाखे फोड़ने पर 200 रुपये के जुर्माने के साथ प्रतिबंध लगाने की घोषणा की, जो 5,000 रुपये तक हो सकता है और छह महीने से तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है।नियमों के उल्लंघन का यह कृत्य विस्फोटक अधिनियम की धारा

9बी, नई दिल्ली में पटाखों का उत्पादन, भंडारण और बिक्री के तहत आता है। प्रतिबंध को अंजाम देने के लिए 408 की टीम बनाई गई है।दिवाली 2022: जिन राज्यों ने पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया है1. दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी 2023 तक किसी भी प्रकार के पटाखों पर प्रतिबंध है.2. पंजाब : राज्य 24 अक्टूबर 2022 को रात 8 बजे से रात 10 बजे तक पटाखे फोड़ने के लिए दो घंटे का समय देगा.राज्य के पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने भी गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर 8 नवंबर को सुबह 4 बजे से सुबह 5 बजे तक और रात 9 बजे से रात 10 बजे तक पटाखे फोड़ने की अनुमति दी.पंजाब में लोगों को क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर 11:55 बजे से 12:30 बजे तक 35-35 मिनट की अनुमति है।3. हरियाणा: हरियाणा राज्य ने हरित पटाखों को छोड़कर पटाखों से संबंधित किसी भी प्रकार के उत्पादन, बिक्री और उत्पादन पर रोक लगा दी है. हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (HSPB) ने भी सर्दियों के मौसम में होने वाली कई घटनाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है जो वायु प्रदूषण के स्तर को बढ़ा सकती हैं।4. पश्चिम बंगाल: 24 अक्टूबर, 2022 को काली पूजा के दौरान हरी

आतिशबाजी की अनुमति है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने उन हरे पटाखों को छोड़कर कोई आतिशबाजी नहीं करने की घोषणा की है जिनमें क्यूआर कोड हैं। इन हरे पटाखों का आयात और बिक्री केवल त्योहार के दौरान ही की जाएगी।5. तमिलनाडु: तमिलनाडु पिछले चार साल से एक घंटे के लिए पटाखे फोड़ने की अनुमति देकर चलन का अनुसरण कर रहा है। राज्य उस दिन दो बार एक घंटे की खिड़की की अनुमति देता है। खिड़की सुबह 6 से 7 बजे और शाम 7 से 8 बजे के बीच होती है।राज्य के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एक एडवाइजरी जारी की गई थी जिसमें अस्पतालों, स्कूलों और अदालतों जैसे मूक क्षेत्रों के आसपास फटने को प्रतिबंधित किया गया था।

संपादकीय

रक्षा क्षेत्र का विस्तार

पिछले कुछ वर्षों में हुए नीतिगत बदलावों तथा सरकारी संरक्षण के कारण हमारे देश में रक्षा उद्योग लगातार बढ़ता जा रहा है. इससे न केवल आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा भी मजबूत हो रही है. क्षेत्र के विकास की अंतहीन संभावनाओं को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही कहा है कि पश्चिमी सीमा पर किसी शरारत का जवाब देने में भारत अब अधिक सक्षम है. रक्षा प्रदर्शनी के बारहवें संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने जानकारी दी कि बीते पांच वर्षों में भारतीय रक्षा उद्योग आठ गुना बढ़ा है तथा हम 75 से अधिक देशों को साजो-सामान निर्यात कर रहे हैं. यह उपलब्धि इसलिए विशिष्ट हो जाती है कि भारत आठ साल पहले हथियारों और अन्य वस्तुओं का सबसे बड़ा आयातक था. रक्षा क्षेत्र का विकास आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तथा मेक इन इंडिया अभियान का महत्वपूर्ण पहलू है. पिछले वित्त वर्ष में 13 हजार करोड़ रुपये मूल्य के रक्षा साजो-सामान निर्यात हुए हैं और आगामी कुछ वर्षों में इस आंकड़े को 40 हजार करोड़ रुपये करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. आयात में कमी आने से जहां एक ओर विदेशी मुद्रा की बचत हो रही है, वहीं रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति में वैश्विक स्तर पर जारी भू-राजनीतिक हलचलें भी कम बाधा बन रही हैं. आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कई वस्तुओं के आयात को प्रतिबंधित कर दिया है. प्रधानमंत्री मोदी ने बताया है कि जल्दी ही 101 और वस्तुओं की सूची जारी होगी. इसके साथ भारत में बनने वाली चीजों की संख्या 411 तक पहुंच जायेगी. रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के भी आ जाने से निवेश और अनुसंधान के लिए भी राहें खुल रही हैं. देश में निर्मित वस्तुओं को हमारी सेनाएं तो इस्तेमाल कर ही रही हैं, उनके निर्यात से भारत की वैश्विक साख तथा सामरिक प्रभाव में भी बढ़ोतरी हो रही है. जैसा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है, रक्षा प्रदर्शनी इस संबंध में भारत के ठोस संकल्प को इंगित करती है. अब तक के रुझान स्पष्ट संकेत करते हैं कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़ी भागीदारी हासिल करने में रक्षा उद्योग बड़ी भूमिका अदा कर सकता है. सरकार का लक्ष्य अगले 25 वर्षों में देश को रक्षा निर्माण में एक बड़ी शक्ति बनाना है. स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष पूरे होने से लेकर सौ वर्ष पूरे होने की अवधि को अमृत काल की संज्ञा दी गयी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के साथ रक्षा क्षेत्र के उल्लेखनीय विकास का आह्वान किया है.

नए शादीशुदा जोड़े की बाथरूम में मौत, वजह हैरान कर देगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अक्टूबर , ये खबर एक सच्चाई भी है और आपको सतर्क करने वाली भी है। नई नई शादी के रूमानी लम्हों को यादगार बनाने के लिए एक शादीशुदा जोड़ा निजी पलों में मशगूल था तभी एक धमाके ने उनकी जान ले ली। बाथरूम के गीज़र के फटने से इस नए शादीशुदा जोड़े की जान चली गई। पति पेशे डॉक्टर था, जबकि पत्नी एमबीबीएस की छात्रा बताई जा रही है। दोनों ने हाल ही में कुछ समय पहले शादी की थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि दोनों पति-पत्नी को मृत पाया। यह कोई पहला मामला नहीं है जब कि गीजर फटने से इस तरह की घटना हुई हो। इससे पहले भी कई बार देखने को मिला है कि ऐसे हादसे कई लोगों की जान ले चुके हैं।

बाथरूम में मिले शव, शॉर्ट सर्किट का अंदाजा

इस दर्दनाक घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पाया कि दोनों पति पत्नी के शव बाथरूम में पड़े हुए हैं। 26 साल के डॉक्टर निसारुद्दीन और 22 साल की एमबीबीएस छात्रा उम्मी मोहिमीन साइमा ने हाल ही में शादी की थी। पुलिस की तस्दीक में गीजर फटने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। घटना की सूचना पर पहुंचे रात के ड्यूटी अफ्सर ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

किस वजह से खतरनाक है गीजर ?

इन घटनाओं से सबक लेते हुए हमारा गीजर से खतरे के बारे में जान लेना बेहद जरूरी है। आखिरकार क्यों हमारे जीवन में रोजाना इस्तेमाल आने वाली चीजें इस तरह से जानलेवा साबित हो जाती हैं। गीजर का सारा दारोमदार ब्वायलर पर निर्भर करता है। अक्सर कर ज्यादा सर्दियों में देखने को मिलता है कि हम लोग गीजर को ऑन छोड़ दिया करते हैं। इससे गीजर लगातार गर्म होने के चलते इसमें लीकेज की समस्या और संभावना ज्यादा बन जाती है।खासकर उन मामलों में यह ज्यादा देखने को मिलता है, जहां ब्वॉयलर कॉपर का नहीं होता है। इस वजह से ब्वॉयलर फट जाता है और उसी का करंट लगने से लोगों की जान चली जाती है। हमारी आपसे गुज़ारिश है कि संसाधनों का इस्तेमाल करते समय बेहद सतर्क रहे और सावधानी बरतें क्योंकि लापरवाही हमेशा नुक्सान ही पहुंचती है।

आप सभी लोगों के प्रयासों से उत्तराखंड स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा है : प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 21 अक्टूबर 2022 मिशन मोड में काम करें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) के सभी अधिकारी, कर्मचारी यह बात प्रभारी सचिव स्वास्थ्य एवं एन. एच. एम. मिशन निदेशक डॉ. आर. राजेश कुमार द्वारा एन. एच. एम. सभागार, स्वास्थ्य महानिदेशालय में दीपावली पर्व की बधाई देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही गई। प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि, आपके प्रयासों से उत्तराखंड स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा है। स्वास्थ्य संबंधित क्षेत्रों से जुड़े कई सूचकों में प्रदेश का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। जिसमें रक्तदान शिविरों का आयोजन, देश में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत गतिमान निःक्षय मित्र गतिविधि में उत्तराखंड का देश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। टेलीमेडिसिन के माध्यम से घर बैठे लोगों को स्वास्थ्य संबंधित जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार नियमित टीकाकरण में राज्य में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी, प्रतिरक्षण के क्षेत्र में मिजल रूबेला की समाप्ति की ओर अग्रसर, 1400 वेलनेस सेंटर के माध्यम से लगभग 6 लाख लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया, 18 डायलिसिस सेंटर के माध्यम से आमजन को डायलिसिस की सुविधा देना, एस. आर. एस. 2020 के अनुसार बाल मृत्यु दर में कमी आना व 266 प्रकार की जांचे निःशुल्क दी जा रही है। प्रभारी सचिव स्वास्थ्य ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत सभी कर्मचारियों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए टेलीमेडिसिन, 104 की सेवा, वैक्सीनेशन, टीबी उन्मूलन, तम्बाकू नियंत्रण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, आई.ई.सी., अंधता निवारण, वित विभाग, मानसिक स्वास्थ्य, आई.डी.एस.पी सहित अन्य कई कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए मिशन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया । दीपावली पर्व के अवसर पर डॉ. आर. राजेश कुमार ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों व मिशन के लिए कार्य कर रही इंद्रा अम्मा के सदस्यों को दीपावली की मिठाई भेंट स्वरुप देते हुए कहा कि, हर्ष उल्लास के इस पर्व को हम सभी अपने परिवार के साथ सुरक्षा के साथ मनाएं। इस कार्यक्रम में एन. एच. एम. निदेशक डॉ. सरोज नैथानी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय नागरकर, डॉ. सुजाता सिंह, डॉ. कुलदीप मर्तोलिया, डॉ. फरीदुज़फ़र, डॉ. अर्चना ओझा, महेंद्र मौर्य सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

कैसे बनाएं 'चीनी कम वाली दिवाली'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत त्योहारों का देश है, और यह सबसे बड़े भारतीय त्योहार - दिवाली का समय है। पिछले दो साल हम सभी के लिए बहुत कठिन वर्ष रहे है, लेकिन हमने जीवन के कुछ महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। हमारे परिवार का स्वास्थ्य अब हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया है और अब यह वैकल्पिक नहीं है। हालांकि, त्योहार के आसपास, हम मिठाई और दावतों पर जा सकते हैं। विशेष रूप से अनियमित रक्त शर्करा के स्तर-मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों के लिए मिठाई का अधिक मात्रा में सेवन हानिकारक साबित हो सकता है।आइए हम सभी अपने प्रियजनों की देखभाल करने और ₹ चीनी कम वाली दिवाली ₹ मनाने का संकल्प लें।भारत में अनुमानित रूप से 77 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जो इसे चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे अधिक प्रभावित देश बनाता है। पिछले तीन दशकों में, प्रसार तीन गुना बढ़ गया है और अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह संघ (आईडीएफ) के अनुसार 2045 तक यह संख्या 134 मिलियन होने का अनुमान है। इसके अलावा, भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या का भी घर है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ के अनुसार, स्वस्थ खाने की आदतों को विकसित करके, शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और तंबाकू से परहेज करके 80% मधुमेह को रोका जा सकता है।मधुमेह रोगियों के लिए अपने आहार और शारीरिक गतिविधि के नियमों के प्रति सचेत रहना बहुत महत्वपूर्ण है। उपवास और दावत दोनों ही खतरनाक साबित हो सकते हैं। हमें अपने शरीर को सुनना सीखना चाहिए और लक्षणों से अवगत होना चाहिए।त्योहारों के दौरान रक्त शर्करा के उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने के सरल लेकिन प्रभावी तरीकेः

- भोजन में कार्बोहाइड्रेट का सेवन समान रूप से वितरित करें। भोजन के निश्चित समय के साथ नियमित भोजन करें, भोजन को छोड़ें नहीं।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक भोजन में अपनी थाली में खाद्य पदार्थों के हिस्से के आकार पर नजर रखें। यदि आप भागों का ध्यान रखते हैं तो आपकी पोषण संबंधी ज़रूरतें यानी पोषण पूरा हो जाएगा।
- कम और उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) खाद्य पदार्थों का संयोजन लें। यह भोजन के समग्र जीआई को कम करता है। उदाहरण के लिए। उपमा, पोहा, चावल, परांठे में सब्जियां डालें; चावल आधारित व्यंजनों जैसे खिचड़ी, पोंगल, बिसिबेले चावल, पुलाव, ढोकला, डोसा में अलग-अलग दाल डालें।
- कम कार्बोहाइड्रेट की भरपाई प्रोटीन के सेवन से करें। स्वस्थ विकल्प के रूप में दालें, बीन्स, सोया, पनीर, मछली और चिकन को शामिल करें।
- बाजार से सामान खरीदने के बजाय घर पर ही बेक करें। यह न केवल शर्करा बल्कि हाइड्रोजनीकृत तेल / डालडा / वानपति तेल में कटौती करने और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करेगा।
- जलेबी और रबड़ी के स्थान पर ओट्स रबड़ी, सेब पैनकेक, लौकी का हलवा, सेब की खीर, खजूर और नट्स रोल, अंजीर रोल, बेसन / रागी लड्डू ट्राई करें। रिफाइंड शुगर को शहद, खजूर और अंजीर से बदलें। अपनी मिठाइयों की मिठास को बढ़ाने के लिए दालचीनी, इलायची, केसर, जायफल और फलों का सांद्रण जोड़ें।
- चॉकलेट के बड़े डिब्बे को एक साथ न देखें।एक टुकड़ा लें और बाकी को साझा करें। इस तरह आप कैलोरी भी साझा करेंगे। मिल्क चॉकलेट के बजाय उच्च गुणवत्ता वाली डार्क चॉकलेट चुनें क्योंकि इसमें चीनी कम होती है।
- आपका पेट भरा हुआ महसूस करने के लिए खूब पानी पिएं ताकि आप अधिक अस्वास्थ्यकर भोजन न करें। यह आपके पेट को साफ करने में भी मदद करता है। मीठा पेय, कोला और डिब्बाबंद जूस से बचें। पानी चुनें, शुगर फ्री निंबुपनियर नारियल पानी।
- शराब का सेवन धीमी गति से करें क्योंकि इसमें बड़ी मात्रा में शर्करा होती है और यह रक्त शर्करा के स्तर को नाटकीय रूप से बढ़ा सकता है।
- सक्रिय रहो। अपने घर के काम करना जारी रखें, अपने परिवार के साथ टहलने जाएं और सिर्फ त्योहार का समय होने के कारण इधर-उधर न घूमें।
- अनुस्मारक रखें। अपने रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी करना न भूलें और हमेशा अपनी दवाएं समय पर लें।इस तरह की थोड़ी सी सावधानी आपके स्वास्थ्य के साथ-साथ आपकी दिवाली के उत्साह को भी बढ़ा सकती है। तो, यहां आपको एक बहुत ही स्वस्थ और खुश दिवाली की शुभकामनाएं। अपने प्रियजनों के साथ अपने समय का आनंद वह सब करें जो आपको सबसे ज्यादा पसंद है।

मार्केट में आने वाली है बजाज पल्सर 150

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई पल्सर N150 दशकों पुरानी बजाज पल्सर 150 से काफी अलग होगी जो अभी भी बिक्री पर है। जब से बजाज पल्सर 250 को लॉन्च किया गया था, उसी प्लेटफॉर्म पर आधारित छोटे क्षमता वाले मॉडल की बात चल रही थी। पल्सर N160 के लॉन्च के बाद, ऐसा लगता है कि बजाज नई पल्सर N150 तैयार कर रहा है, जो ऑनलाइन सामने आई जासूसी तस्वीरों के अनुसार है।

*N150 पल्सर N160 प्लेटफॉर्म पर आधारित*पतले टायरों पर सवारी*एक नया, बहु-परावर्तक हेडलाइट मिलता है

नई बजाज पल्सर N150: नया क्या है?

जासूसी तस्वीरों में मोटरसाइकिल भारी छलावरण है, लेकिन कुछ विवरण हैं जो यह अनुमान लगाने के लिए पर्याप्त हैं कि बाइक कैसी दिखेगी। शुरुआत के लिए, हेडलाइट काउल का आकार पूरी तरह से अलग है, जिसमें एक नया मल्टी-रिफ्लेक्टर हेडलाइट इनसेट है। एक छोटी विंडस्क्रीन है जो हेडलाइट यूनिट के ऊपर बैठती है। ध्यान दें कि पल्सर N160 पर प्रीमियम, LED प्रोजेक्टर लाइट सेटअप की तुलना में यह हेडलाइट सेटअप बुनियादी है।

यह, जाहिर है, लागतों को नियंत्रण में रखने के लिए किया गया है। उस ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि N150 में वही बेज़ल-फ्री, एनालॉग-डिजिटल डिस्प्ले होगा जो N160 पर मौजूद है।बॉडी पैनल, चाहे वह फ्यूल टैंक का आकार हो और उसके एक्सटेंशन या साइड पैनल, साथ ही स्प्लिट सीट्स, उन लोगों के समान प्रतीत होते हैं जिन्हें हमने N160 पर देखा है। टेल सेक्शन, इसके ब्लैक-आउट हिस्से और स्प्लिट एलईडी टेल-लाइट और ग्रैब रेल के साथ भी वैसा ही दिखता है जैसा हमने N160 पर देखा है। कहा जा रहा है, कुछ समय बाद देखा गया एक और परीक्षण खच्चर एक सरल, वन-पीस ग्रैब रेल और सिंगल-पीस सीट के साथ देखा गया था। ऐसी संभावना है कि बजाज बाइक को व्यापक दर्शकों के लिए सुलभ बनाने के लिए N150 को दो प्रकारों में लॉन्च कर सकता हैनई बजाज पल्सर N150: अन्य अंतरबॉडीवर्क के नीचे, पल्सर N150 में N160 के समान फ्रेम होना चाहिए। हालाँकि, ऐसा लगता है कि N150 पर टेलिस्कोपिक फोर्क का आकार N160 के दोहरे चैनल ABS संस्करण की तुलना में छोटा है। सभी संभावना में, N150 में पल्सर N160 के सिंगल-चैनल ABS वैरिएंट के समान टेलिस्कोपिक फोर्क हो सकता है। हालाँकि, मोनोशॉक N160 जैसा ही हो सकता है।पल्सर N160 के अन्य दृश्यमान अंतरों में नए मिश्र धातु के पहिये, पतले टायर और एक छोटा फ्रंट डिस्क शामिल हैं। N150 के लोअर-स्पेक वेरिएंट में पीछे की तरफ ड्रम ब्रेक मिलने की उम्मीद है, जैसा कि जासूसी तस्वीरों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।इंजन की बात करें तो उम्मीद है कि यह N160 की इकाई पर आधारित होगा, हालांकि कम शक्ति और टोक़ के आंकड़े के साथ। बजाज ने हाल ही में अपने इंजनों के शोधन स्तर में सुधार किया है और हम उम्मीद कर सकते हैं कि वे नए N150 में एक चिकनी 150cc इकाई के साथ आएंगे।नई बजाज पल्सर N150: अपेक्षित लॉन्च समयहालांकि अभी तक कोई आधिकारिक शब्द नहीं आया है, बजाज कुछ हफ्तों में नई पल्सर N150 लॉन्च कर सकता है। लॉन्च होने पर, बाइक यामाहा एफजेड, सुजुकी जिक्सर और होंडा यूनिकॉर्न के खिलाफ जाएगी।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा